सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 122 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 5 जून, 2025
मूल्य ₹ 3/-

सुदर्शन का धमाल, ऑरेंज कैप जीतकर...

7

हमें भूत के बारे में पछतावा नहीं करना चाहिए, ना ही भविष्य के बारे में चिंतित होना चाहिए। विवेकवान व्यक्ति हमेशा वर्तमान में जीते हैं।

-चाणक्य

2027 में भाजपा का होगा... 3
27 में पीडीए सरकार कराएगी... 2

साख पर सवाल या बेवजह का बवाल!

पीएम मोदी को जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने का अभी तक औपचारिक बुलावा नहीं आया

» कनाडा से खटास क्या अब नहीं बची है आस!
» विश्व पटल पर अकेला पड़ता भारत
» पिछले वर्षों में भारत को जी-7 बैठकों में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता रहा है

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कनाडा के अल्बर्टा में आयोजित होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनुपस्थिति पिछले छह वर्षों में पहली बार होने की संभावना बन रही है। कनाडा ने अभी तक भारत को शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण नहीं भेजा है। निमंत्रण नहीं मिलने का कारण हाल के वर्षों में भारत–कनाडा के रिश्तों के बीच में आयी खटास को माना जा रहा है।

वहीं इस मुददे पर विपक्ष द्वारा सवाल भी उठाये जाने लगे है और भारत की विदेश नीति की खुलेआम आलोचना भी होने लगी है। सवाल उठ रहे है कि आखिर वैश्विक मंच पर भारत को कैसे इग्नोर किया जा सकता है? सवाल भारत के विश्व गुरू बनने को लेकर भी उठाये जा रहे हैं। विपक्ष इस मुददे को पूरी तरह से पीएम मोदी की विदेश नीति के इर्द–गिर्द बुन रहा है। और सवाल पूछ रहा है कि भारत विश्व पटल पर अकेला क्यों होता जा रहा है।

भारत के लिए संभावित नुकसान

जी-7 जैसे वैश्विक मंच से दूर होने के चलतेभारत की वैश्विक नीति निर्धारण में भागीदारी कम हो सकती है। आर्थिक अवसरों की हानि हो सकती है। जी-7 देशों के साथ व्यापार और निवेश के अवसर सीमित हो सकते हैं। कूटनीतिक प्रभाव में कमी आ सकती है वैश्विक मुद्दों पर भारत की आवाज़ कमजोर पड़ सकती है।

चेतावनी के तौर पर लेना होगा

आर्थिक मामलों के जानकार यशवीर त्यागी कहते हैं कि जी-7 से आमंत्रण न मिलना वैसे तो कोई बड़ी बात नहीं। कनाडा इस सम्मेलन को होस्ट कर रहा है और उसने भारत को नहीं बुलाया। लेकिन भारत के लिए एक चेतावनी है कि उसे अपनी कूटनीतिक रणनीतियों पर पुनर्विचार करना होगा। पड़ोसी देशों के साथ संबंध सुधारना होंगे। वैश्विक मंचों पर सक्रिय भागीदारी और आंतरिक नीतियों में संतुलन बनाना आवश्यक है। भारत को अपनी नेबरहुड फर्स्ट और एक्ट ईस्ट नीतियों को पुनः सशक्त बनाना होगा ताकि वह वैश्विक मंचों पर अपनी प्रभावशीलता बनाए रख सके।

विपक्ष बोला- एक बड़ी कूटनीतिक चूक

कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जी7 सम्मेलन में संभावित अनुपस्थिति को एक बड़ी कूटनीतिक चूक करार दिया है। पार्टी का मानना है कि इस उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की गैर-भागीदारी देश की विदेश नीति और वैश्विक प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

जी-7 के बजाय जी-20 पर अधिक फोकस करेगा भारत

जी-7 की तुलना में जी-20 एक अधिक समावेशी और विविध वैश्विक मंच है जिसमें भारत पहले से ही स्थायी सदस्य है। वर्ष 2023 में भारत ने जी20 की अध्यक्षता की और वह ग्लोबल साउथ की आवाज़ बना। इसलिए भारत जी7 में स्थायी सदस्य बनने पर उतना ज़ोर नहीं डालता सकता जितना वह जी20 और अन्य बहुपक्षीय मंचों को मज़बूत करने पर डाल रहा है। यही नहीं भारत रूस से करीबी रिश्ते बनाए हुए है जबकि जी7 देश रूस के खिलाफ हैं। यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर भारत की स्थिति को लेकर भी असहमति रही है। भारत अब विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 140 करोड़ से अधिक की आबादी के साथ वैश्विक बाजार में एक अहम खिलाड़ी है।

जी-7 का गठन और उद्देश्य

जी-7 विश्व की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और यूनाइटेड किंगडम–का समूह है। इसका गठन 1975 में वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों पर समन्वय के लिए किया गया था। हाल के वर्षों में जी-7 की बैठकों में भारत की अहम भूमिका रही है और उसे विकासशील देशों की श्रेणी में विशेष आमंत्रित देश के तौर पर बुलाया जाता रहा है। पीएम मोदी ने बड़े की सशक्त तरीके से इन मचों का उपयोग भारत की ब्रांडिंग में किया और विश्व के मानचित्र पर भारत एक सशक्त राष्ट्र के तौर पर उभरा।

स्टूडेंट वीजा पर ट्रंप के नए फैसले से घबराए भारतीय छात्र!

अमेरिका में पढ़ाई करने की योजना बना रहे भारतीय छात्रों के बीच इस वक्त काफी ज्यादा चिंता का माहौल पैदा हो गया है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए वीजा स्वीकृत करने से पहले सोशल मीडिया की जांच अनिवार्य कर दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के एक इंटरनल केबल में कहा गया है कि वीजा के लिए आवेदन करने वालों को अमेरिका में प्रवेश की अनुमति देने से पहले उनके सोशल मीडिया पोस्ट की जांच की जाएगी। अमेरिकी यूनिवर्सिटी में फलिस्तीनी समर्थकों के विशेष प्रदर्शन के बाद अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर व्यापक कार्रवाई के बीच उठाया गया है।

पिछला सम्मेलन इटली में हुआ था भारत भी हुआ था शामिल

हाल के वर्षों में भारत के साथ विश्व के कई मुल्कों के संबध खराब हुए हैं। बंगलादेश, तुर्की, चाइना, और कनाडा प्रमुख हैं। तुर्की ने भारत को दरकिनार करते हुए पाकिस्तान का खुला सपोर्ट किया। वहीं बंगलादेश में हाल के वर्षों में क्या हो रहा है सभी ने देखा। चाइना का हाल किसी से छुपा नहीं है। खालिस्तानी

नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता का आरोप लगाते हुए कनाडा ने भारत के साथ रिश्ते इतने खराब कर लिये कि न्योता तक नहीं दिया। हालांकि भारत को जी7 का स्थायी सदस्य नहीं बनाया गया है। लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति और वैश्विक प्रभाव के कारण उसे पिछले कुछ वर्षों में विशेष आमंत्रित देश के रूप में सम्मेलनों में शामिल किया गया है। 2024 में इटली में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने भाग लिया था जहां भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे पर चर्चा हुई थी।

सरकार का कोई बयान नहीं आया

सरकारी स्तर पर अभी तक इस विषय पर कोई भी आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले यह स्पष्ट किया था कि भारत सभी प्रमुख वैश्विक सम्मेलनों में भाग लेने के लिए प्रतिबद्ध है जो शांति, सुरक्षा और विकास के एजेंडे को बढ़ावा देते हैं।

27 में पीडीए सरकार कराएगी जातीय जनगणना की शुरुआत: अखिलेश

» केंद्रीय कैबिनेट से जनगणना की मंजूरी के बाद सपा ने कसा भाजपा पर तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा मुखिया व यूपी के पूर्व सीएम ने एकबार फिर भाजपा व पीएम मोदी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा केंद्र सरकार ने 2026 से जनगणनना करवाने के लिए कैबिनेट में मंजूरी दे दी है। ये पूरी प्रक्रिया 2027 में पूरी होगी। इसी को लेकर सपा प्रमुख ने कि इस फैसले का मतलब है जब यूपी में पीडीए सरकार आयेगी तब ही होगी जातीय जनगणना की शुरुआत।

इससे पहले बुधवार को सपा अध्यक्ष ने कहा थी कि आज 4 जून का वो ऐतिहासिक दिन है, जिसने एक साल पहले देश की राजनीति में, उप्र में पीडीए की एकजुटता का वो परिणाम देखा था जिसने साम्प्रदायिक राजनीति की नकारात्मकता को हराकर, उप्र में सकारात्मक, सौहार्दपूर्ण और जन संवेदना से जुड़ी उस राजनीति का नया दौर शुरू किया था, जो देश के भविष्य के निर्माण में मील का पत्थर साबित हो रही है।पीड़ित, दुखी, अपमानित हर पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक और आधी आबादी के रूप में प्रताड़ित महिला, उत्पीड़ित आदिवासी, ग़रीब, किसान,

मज़दूर, कारोबारी, नौकरीपेशा, बेरोज़गार युवा और हर एक वर्ग का हर पीडित पीडीए से लगातार जुड़ रहा है और एक बड़े 'पीडीए परिवार' का निर्माण कर रहा है। वहीं सपा प्रमुख ने ट्विट कर कहा कि आज पर्यावरण दिवस है। ये दिन है पर्यावरण के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता, वचनबद्धता और किताबी-दिखावटी सैद्धांतिकता से ऊपर उठकर कर्मठता के स्तर पर परिधिमय प्राकृतिक आवरण को बचाये-बनाए रखने का। एक पर्यावरण हमारे आसपास होता है और एक वो भी होता है, जो हमारे देखने-

पर्यावरण एक साझी विरासत

सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा पर्यावरण एक साझी विरासत है। इसीलिए ये किसी एक का ही नहीं, किसी एक पीढ़ी का ही नहीं बल्कि सबका मिला-जुला दायित्व है। ये वर्तमान के लाभ-हानि की तराजू पर तौलने का मुद्दा नहीं है बल्कि पृथ्वी के प्राकृतिक भविष्य के लिए किया गया प्रयासों और संसाधनों का सर्वथा सार्थक निवेश है, जो आवश्यक नहीं, अपरिहार्य है। पर्यावरण ही मानवीय एकता का सबसे साक्षात और बुनियादी आधार है। आइए हम पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के लिए हाथ बढ़ाएं-मिलाएं, मेलमिलाप व मेलजोल से अंदर-बाहर के विविधताओं से युक्त सौहार्द को बढ़ाएं, सबको गले लगाएं और आनेवाली पीढ़ियों के लिए कुछ बेहतर दुनिया दे जाएं।

भगदड़ की घटना बेहद पीड़ादायक

बेंगलुरु की भगदड़ की घटना बेहद पीड़ादायक है। शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना।

छूने व अन्य इंद्रियों की क्षमताओं से परे होता है, हमें उसे भी बचाना है, तभी ये धरा-धरती जीवनदायिनी बनी रहेगी। एक पर्यावरण हमारे अंदर भी होता है और वो होता है, भावनाओं, संवेदनाओं और सहनशीलता का पर्यावरण, जो हमसे विविधताओं को स्वीकार करवाता है औरों के साथ जीना सिखाता है। एकरंगी को बहुरंगी बनाता है। यही आंतरिक पर्यावरण मानव होने की कसौटी होता है। यही हमें सकारात्मकता से भरता है, यही हमारी सोच और हमारे विचार का क्षितिज बड़ा करता है। इसी के आधार पर हम देश, काल, समय की सीमा से परे जाना सीखते हैं और ऐसे काम करने के लिए प्रेरित होते हैं जिनका लाभ देश-दुनिया के समाज को युगों-युगों तक मिलता है। जब ये आंतरिक पर्यावरण संरक्षित होता है, तभी बाहरी पर्यावरण संरक्षित हो सकता है। इसके मूल में करुणा और प्रेम होता है।

प्रदेश में बेरोजगारी बढ़ी है और कानून व्यवस्था बदहाल है: संजय

» आप सांसद की मांग- शिक्षकों के खाली पद भरे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

केजरीवाल को बड़ी राहत

राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए एनओसी दे दी है। सुनवाई के दौरान विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने कहा कि आवेदक विदेश यात्रा के लिए कोई अनुमति नहीं मांग रहा है, जाहिर है कि वह भविष्य में विदेश यात्रा की योजना नहीं बना रहा है, लेकिन यह भी आवेदक को पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए पूरे 10 साल की अनुमति देने के रास्ते में नहीं आ सकता है। अदालत ने कहा कि उनकी जमानत की शर्तों में पहले से ही यह निर्धारित है कि वह अदालत की औपचारिक अनुमति के बिना विदेश यात्रा नहीं करेंगे। ऐसे में अदालत ने केजरीवाल की याचिका स्वीकार कर ली।

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने मांग की है कि प्रदेश सरकार शिक्षकों के खाली पड़े पदों पर भर्ती करे। उन्होंने कहा कि सरकार ने सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी थी कि प्रदेश में शिक्षकों के एक लाख 93 हजार पद खाली पड़े हैं।

प्रयागराज में चल रहे छात्रों के आंदोलन की मांग है कि 90 हजार खाली पड़े पदों पर शिक्षकों की भर्ती की जाए। हम आंदोलन का समर्थन करते हैं और मांग करते हैं कि शिक्षकों के खाली पदों पर भर्ती की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी बढ़ी है और कानून व्यवस्था बदहाल है। लोग परेशान हैं। भाजपा पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों को हिंदुत्व का टेंडर किसने दिया? आज यूपी में कानून व्यवस्था बदहाल हैं। अपराध बढ़ रहा है। संजय सिंह ने बीटीसी शिक्षकों को पुरानी पेंशन देने का मुद्दा उठाया साथ ही शिक्षामित्रों के साथ न्याय करने की भी मांग की।

राहुल गांधी को इलाहाबाद हाई कोर्ट की फटकार

» कोर्ट ने कहा- अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब सेना को बदनाम करना नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की फटकार लगाई है। हाई कोर्ट ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के संबंध में लखनऊ की एक अदालत द्वारा जारी समन के खिलाफ गांधी द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की।

अदालत ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, लेकिन यह स्वतंत्रता उचित प्रतिबंधों के अधीन है और इसमें भारतीय सेना के लिए अपमानजनक बयान देने की स्वतंत्रता शामिल नहीं है। गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया गया था, क्योंकि उन्होंने कहा था कि चीनी सैनिक अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सैनिकों की पिटाई कर रहे हैं। यह टिप्पणी 2022 में राजस्थान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई थी। राहुल गांधी ने कहा था कि लोग भारत जोड़ो यात्रा, यहां-वहां, अशोक गहलोत और सचिन पायलट और न जाने क्या-क्या के बारे में पूछेंगे। उत्तर प्रदेश में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज किया गया था और निचली अदालत ने उन्हें समन जारी किया था। इसके बाद उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कार्यवाही और समन को रद्द करने की मांग की।

मानहानि की शिकायत सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि गांधी ने बहुत ही अपमानजनक तरीके से बार-बार कहा कि चीनी सेना अरुणाचल प्रदेश में हमारे सैनिकों की पिटाई कर रही है।

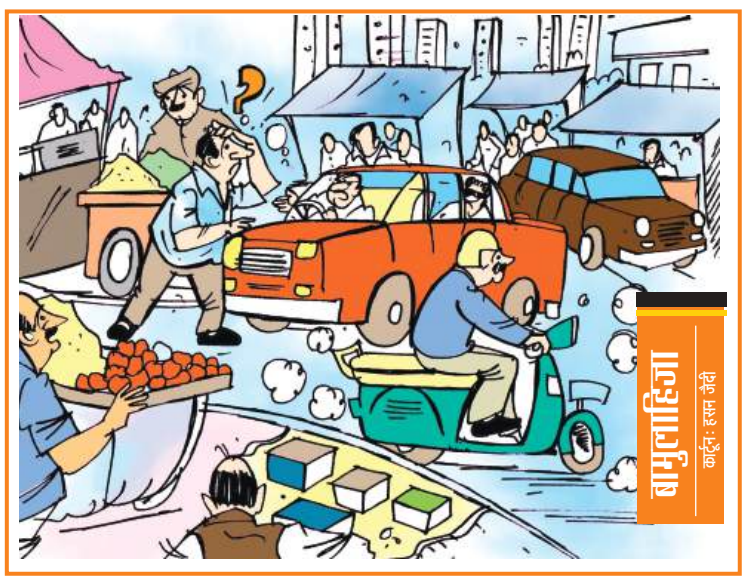

बीएसपी को कमजोर करने की कोशिश हो रही है: मायावती

» बसपा प्रमुख ने कहा, कुछ स्वार्थी और अवसरवादी पार्टी बनाकर कर रहे बंटवारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने नगीना सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के नेता चंद्रशेखर आजाद का नाम लिए बिना बड़ा जुबानी हमला बोला है।

एक प्रेसवार्ता में गुरुवार, 5 जून को बसपा चीफ ने कहा कि यूपी में एक ही पार्टी अंबेडकरवादी है जो कि बसपा है। बीएसपी को कमजोर करने की कोशिश हो रही है। यूपी में दलित और पिछडें के वोट को बांटने की कोशश हो रही है। कुछ पार्टी से सावाधान रहे जो स्वार्थी और अवसरवादी है। इस तरह से संगठन और पार्टी बने है, कुछ लोगों को बहुजन समाज से कुछ लेना-देना नहीं है और पार्टी बनाते हैं। इसके अलावा मायावती ने कहा कि पहलगाम हमले को लेकर देश में राजनीति हो रही है। जो नहीं होना चाहिये, कोविड के बढ़ रहे मामलों के संदर्भ में बसपा चीफ ने कहा कि देश में कोराना का प्रकोप ज्यादा हो रहा है।

दलितों और अन्य उपेक्षित वर्गों को गुमराह करने की साजिश

मायवती ने कहा कि कुछ दलित संगठन और पार्टी का इस्तेमाल बीएसपी को कमजोर करने के लिये किया जा रहा है। यहां दलितों और अन्य उपेक्षित वर्गों को गुमराह करने की कोशिश हो रही है. बीएसपी को मजबूत होता देखकर विपक्ष की जातिवादी पार्टियां दुखी हैं। विशेषकर दलित वर्ग से जुड़े संगठनों और पार्टियों को सक्रिय करके, उनसे कार्यक्रम करके दलितों को गुमराह करने में लगी है। उन्होंने दावा किया कि ये अवसरवादी संगठन या पार्टियां इन जातिवादी पार्टियों के हाथों में खेल रही हैं। ये बीएसपी के भोले भाले लोगों को अपने संगठनों से जोड़ने के लिए अपनी बैठक में मान्यवर कांशीराम और मेरा नाम ले रहे हैं।

राहुल गांधी को सरेंडर और सीजफायर का भी फर्क नहीं पता: उमा भारती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के एक बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को 'सरेंडर' और 'सीजफायर' के बीच का फर्क तक नहीं मालूम।

सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उमा भारती ने लिखा कि आज तक भारतीय सेना ने कभी पाकिस्तान के सामने समर्पण नहीं किया है और राहुल गांधी को इतनी भी अंग्रेजी नहीं आती कि वे दोनों शब्दों का अंतर समझ सकें। राहुल गांधी ने अपने भोपाल में एक कार्यक्रम में भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'नरेंदर सरेंडर' कहकर संबोधित किया था, जिस पर भाजपा हमलावर हो गई है। उन्होंने भोपाल में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दावा किया कि अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक इशारे पर प्रधानमंत्री मोदी झुक गए। उन्होंने कहा था कि भाजपा-आरएसएस पर थोड़ा दबाव डालो तो ये डरकर भाग जाते हैं। ट्रंप ने एक इशारा किया और नरेंद्र मोदी ने झुककर बात मान ली।

अखिलेश ने कर दी बड़ी भविष्यवाणी!

2027 में भाजपा का होगा सफाया!

» अबकी बार सपा सरकार, हो गई पूरी तैयारी

» भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आगामी 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर एक बड़ी भविष्यवाणी की है और उन्होंने दावा किया है कि भारतीय जनता पार्टी का यूपी में पूरी तरह सफाया होगा और प्रदेश में सप की सरकार बनेगी। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और सामाजिक न्याय की उपेक्षा का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि भाजपा की नीतियों से पीडीए वर्ग के लोग शिक्षा और रोजगार से वंचित हो रहे हैं और इसका जवाब वे 2027 में वोट के माध्यम से देंगे।

वहीं अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि वह पीडीए वर्ग के लोगों को शिक्षा और रोजगार से वंचित कर रही है भाजपा की नीतियों से प्रदेशवासियों को तबाही के सिवा कुछ नहीं मिला है। भाजपा भ्रष्टाचार में पूरी तरह से डूबी हुई है। भाजपा में माफियाओं की भरमार है और वह जनता की नहीं सुनना चाहती। आपको बता दें कि अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश का दुर्भाग्य है कि यहां सत्ता में विराजमान योगी जी योगी नहीं है वह भ्रष्ट योगी है वह ईमानदार भी नहीं है। भाजपा सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गयी है। महंगाई चरम पर है, किसान, नौजवान, मजदूर, व्यापारी, शिक्षक, अधिवक्ता सभी परेशान है, वहीं लोकतंत्र की बुनियादी आत्मा संविधान है और भाजपा संविधान को ही बदलना चाहती है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के पास डॉ. राममनोहर लोहिया, बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की विचारधारा। और नेताजी मुलायम सिंह यादव के संघर्ष की विरासत है। सामाजिक न्याय की लड़ाई समाजवादी ही लड़ते रहे है और आज भी संघर्ष जारी है। वहीं जातीय जनगणना के माध्यम से हर एक की समानुपातिक भागीदारी निश्चित हो सकेगी। आपको बता दें कि अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि बीजेपी ने पिछले कुछ वर्षों में न तो नौजवानों को रोजगार दिय न किसानों को राहत दी और न ही मजदूरों के लिए कोई ठोस कदम उठाया। जहां बेरोजगारी, किसानों की बदहाली और मजदूरों की आर्थिक तंगी जैसे मुद्दे हमेशा से सियासी एजेंडे का हिस्सा रहे हैं।

बीजेपी की नीतियां जुमलेबाजी

अखिलेश ने बीजेपी की नीतियों को जुमलेबाजी करार देते हुए कहा कि सरकार ने केवल बड़े-बड़े वादे किए। लेकिन धरातल पर कोई बदलाव नहीं दिखा। वहीं अखिलेश ने दावा किया कि बीजेपी ने 1,93,000 शिक्षक पदों की भर्ती का वादा किया था। लेकिन यह केवल एक जुमला साबित हुआ और उन्होंने यह भी कहा कि इन भर्तियों के लिए कोई ठोस योजना नहीं बनाई गई। जिसके चलते लाखों युवाओं की उम्मीदें टूट गईं। उनके इस दावे की गणना और भी चौंकाने वाली हैं। अखिलेश ने अनुमान लगाया कि अगर हर शिक्षक पद के लिए औसतन 75 अभ्यर्थी आवेदन करते हैं। तो कुल मिलाकर लगभग सवा करोड़ लोग प्रभावित हुए अगर इन अभ्यर्थियों के परिवारों को जोड़ा जाए, तो यह संख्या चार करोड़ से अधिक हो जाती है।

बीजेपी से बदला लेने को तैयार पीडीए समूह

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश की जनसंख्या में पिछड़े वर्ग दलित और अल्पसंख्यक एक बड़ा हिस्सा हैं..... अगर अखिलेश इन समुदायों का समर्थन हासिल करने में कामयाब होते हैं। तो यह बीजेपी के लिए एक बड़ी चुनौती हो सकती है। खासकर तब जब बीजेपी की नीतियों पर पहले से ही सवाल उठ रहे हैं। अखिलेश का यह बयान न केवल इन समुदायों को लामबंद करने की कोशिश है। बल्कि यह भी संदेश देता है कि समाजवादी पार्टी 2027 में एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरना चाहती है।

नौजवान, किसान और मजदूर की आवाज बनेगी सपा

अखिलेश ने न केवल नौजवानों, बल्कि किसानों और मजदूरों की उपेक्षा का भी आरोप लगाया.उत्तर प्रदेश भारत का कृषि-प्रधान राज्य है वहां किसानों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है न्यूनतम समर्थन मूल्य, कर्जमाफी, और बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी ने किसानों को परेशान किया है। बीजेपी सरकार ने किसानों को राहत देने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। हाल के वर्षों में किसान आंदोलनों ने भी बीजेपी सरकार की नीतियों के खिलाफ व्यापक असंतोष को उजागर किया है। इसी तरह मजदूर वर्ग भी बीजेपी की नीतियों से नाखुश दिखता है। कोविड-19 महामारी के दौरान प्रवासी मजदूरों की दुर्दशा ने पूरे देश का ध्यान खींचा था। उत्तर प्रदेश के लाखों मजदूरों को बिना किसी ठोस सरकारी सहायता के अपने गांवों की ओर पलायन करना पड़ा था। वहीं अखिलेश यादव ने पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक के नारे को एक बार फिर जोर-शोर से उठाया यह नारा समाजवादी पार्टी की उस रणनीति का हिस्सा है। जिसके तहत वह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की बात करती है। उत्तर प्रदेश की सियासत में जातिगत और सामुदायिक समीकरण हमेशा से महत्वपूर्ण रहे हैं। अखिलेश का यह दावा कि 2027 में जनता पीडीए की सरकार बनाएगी।

बीजेपी भी पलटवार की तैयारी में

अखिलेश के इस तीखे हमले के बाद बीजेपी की प्रतिक्रिया भी अहम होगी। बीजेपी ने पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में अपनी मजबूत स्थिति बनाई है और 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में उसने शानदार जीत हासिल की। हालांकि अखिलेश के आरोपों ने बीजेपी के सामने एक नई चुनौती पेश की है, क्या बीजेपी इन आरोपों का जवाब आंकड़ों और तथ्यों के साथ देगी या इसे सियासी बयानबाजी करार देकर खारिज करेगी। बता दें कि बीजेपी दावा करती रही है कि उसने उत्तर प्रदेश में विकास के कई काम किए हैं जैसे कि सड़कों का निर्माण, बिजली आपूर्ति में सुधार और डिजिटल इंडिया जैसे कार्यक्रमों का विस्तार. इसके अलावा, केंद्र सरकार की योजनाएं जैसे उज्ज्वला, आयुष्मान भारत और पीएम-किसान सम्मान निधि भी बीजेपी के पक्ष में जाती हैं। लेकिन अखिलेश का तर्क है कि ये योजनाएं केवल कागजों पर हैं, और धरातल पर जनता को इनका लाभ नहीं मिल रहा। अगर बीजेपी इन आरोपों का ठोस जवाब नहीं देती तो यह 2027 में उसके लिए नुकसानदेह हो सकता है।

रणनीतिक के तहत सधी चाल चल रहे सपा प्रमुख

आपको बता दें कि अखिलेश यादव का यह बयान केवल सियासी बयानबाजी नहीं। बल्कि एक रणनीतिक कदम है वह नौजवानों, किसानों और मजदूरों के असंतोष को एकजुट करके बीजेपी के खिलाफ एक बड़ा जनांदोलन खड़ा करना चाहते हैं उनकी गणना कि चार करोड़ लोग प्रभावित हुए हैं एक सियासी मास्टरस्ट्रोक हो सकता है, क्योंकि यह आंकड़ा उत्तर प्रदेश की कुल मतदाता संख्या का एक बड़ा हिस्सा है। अगर यह असंतोष वोटों में तब्दील होता है, तो समाजवादी पार्टी के लिए 2027 में सत्ता में वापसी का रास्ता खुल सकता है।हालांकि बीजेपी के पास अभी भी समय है कि वह इन मुद्दों पर काम करे और जनता का भरोसा जीतै, शिक्षक भर्ती, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं पर ठोस कदम उठाकर बीजेपी इस सियासी हमले को कमजोर कर सकती है लेकिन अगर वह चुप रही या केवल प्रचार पर ध्यान देती रही। तो अखिलेश का यह बयान 2027 में एक बड़ा सियासी हथियार बन सकता है, बता दें कि अखिलेश यादव का यह बयान उत्तर प्रदेश की सियासत में एक नया मोड़ ला सकता है और उनके आरोपों ने बीजेपी की कमजोरियों को उजागर किया ह और पीडीए के नारे के जरिए उन्होंने सामाजिक समीकरणों को अपने पक्ष में करने की कोशिश की है। वहीं बीजेपी क्या वह इन मुद्दों का जवाब देगी या 2027 में जनता के गुस्से का सामना करेगी।

यूपी में बेरोजगारी के मुद्दे पर योगी सरकार को घेरने की मंशा

उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है। अखिलेश यादव ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि सरकार ने नौजवानों को रोजगार देने में पूरी तरह विफल रही है। केंद्र और राज्य सरकार के तमाम दावों के बावजूद, बेरोजगारी दर में कमी नहीं आई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से अधिक रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और भी गंभीर है। अखिलेश का यह दावा कि बीजेपी ने नौकरियों की कोई ठोस योजना नहीं बनाई। कई युवाओं के गुस्से को आवाज देता है। खासकर शिक्षक भर्ती जैसे मामलों मेंजहां पेपर लीक और भर्ती प्रक्रिया में देरी जैसे मुद्दों ने युवाओं का भरोसा तोड़ा है। आपको बता दे कि 69,000 शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण और नियुक्ति को लेकर लंबे समय तक

विवाद चला। जिसके चलते हजारों अभ्यर्थी सड़कों पर उतरे, अखिलेश ने इस मुद्दे को बार-बार उठाया है और अब 1,93,000 शिक्षक पदों की बात करके उन्होंने बीजेपी की नीयतऔर नीति दोनों पर सवाल खड़े किए हैं। वहीं अब यह सवाल उठता है कि अगर इतने बड़े पैमाने पर भर्ती का वादा किया गया था। तो उसे पूरा करने में क्या बाधाएं थीं, क्या यह केवल सियासी जुमला था। जैसा कि अखिलेश दावा कर रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नहीं चेते तो कुदरत कर देगी विनाश!

समय-समय पर भू व वनस्पति वैज्ञानिकों का कहना है पर्यावरण से अगर मनुष्य क्रूरता कम नहीं करेगा तो वह इसी तरह प्राकृतिक आपदाओं का शिकार बनता रहेगा। वर्ष 2013, जून की केदारनाथ त्रासदी को 2004 की सुनामी के बाद की देश की सबसे बड़ी त्रासदी कहा जाता है। केदारनाथ धाम व पूरी केदार घाटी के 15-16 जून, 2013 के भयंकर जल प्रलय में लगभग एक हजार स्थानीय लोगों के साथ करीब 6 हजार लोग मारे गये थे।

पिछले चार-पांच दिनों में उत्तर से दक्षिण भारत तक मौसम का उतार-चढ़ाव जारी है । कुदरत के इस उठापटक ने सैकड़ों लोगों को घर बेघर कर दिया। पूर्वोत्तर में सबसे ज्यादा तबाही मची वहां पर कई गांव भूस्खलन में दब गए। हिमाचल, उत्तराखंड में वर्षा से सैकड़ों लोगों की जान चली गई। पहाड़ी क्षेत्रों में तो कहर प्राकृतिक पर्यावास के छेड़छाड़ की वजह से दिखाई दे रही है पर मैदानी क्षेत्रों में तो मानव निर्मित भवनों में हुई छेड़खानी ही इन आपदाओं के लिए पूरी तरह दोषी है। हालांकि मौसम वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन को भी इस आपदा का कारण मान रहे हैं। समय-समय पर भू व वनस्पति वैज्ञानिकों का कहना है पर्यावरण से अगर मनुष्य क्रूरता कम नहीं करेगा तो वह इसी तरह प्राकृतिक आपदाओं का शिकार बनता रहेगा। वर्ष 2013, जून की केदारनाथ त्रासदी को 2004 की सुनामी के बाद की देश की सबसे बड़ी त्रासदी कहा जाता है। केदारनाथ धाम व पूरी केदार घाटी के 15-16 जून, 2013 के भयंकर जल प्रलय में लगभग एक हजार स्थानीय लोगों के साथ करीब 6 हजार लोग मारे गये थे।

वैज्ञानिकों ने इसे नार्दन फ्लैश फ्लड भी कहा था व जलवायु बदलाव की व्यापकता का प्रमाण माना था। आपदा से उबरने के लिये बड़े पैमाने पर काम भी हुए हैं। अब सुविधाएं इतनी जुटा ली गई हैं कि प्रतिदिन बीस-पच्चीस हजार यात्री वहां पहुंच रहे हैं। लेकिन चिंताजनक यह कि सीमित क्षेत्र में हजारों मानव कृत्यों से हीट आइलैंड्स बनने की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। खुद यात्री कहते हैं कि तेज धूप होती है तो झेलनी मुश्किल होती है। पूरे हिंदुकुश हिमालय पर ही जलवायु बदलाव के खतरे बढ़े हैं। हिमालयी ग्लेशियरों की पिघलने की दर दुगुनी हो गई है व पहाड़ बर्फविहीन हो रहे हैं। अगर केदारनाथ के आसपास ऐसा होता है तो हम इसे वैश्विक कारणों से होना ही नहीं कह सकते बल्कि उनके साथ यहां स्थानीय आघात भी जुड़ रहे हैं। फरवरी, 2021 में नीति घाटी में ग्लेशियर टूटने से धौली गंगा में भारी बाढ़ आई थी। अभी जो 2024 में हो रहा वह भी इन्ही वजहो से हो रहा है। इसके उलट भूस्खलन, जलस्रोत सूखने व केदारनाथ वन सेंक्चुरी जैसे जैव विविधता के क्षेत्रों में वनाग्नियों के जोखिम भी बढ़े। पर्यावरणीय, पारिस्थितिकीय पुनरुत्थान के बजाय इनमें गिरावट ही आई। हजारों की भीड़ से जलापूर्ति व कचरे की समस्याएं बढ़ी हैं। पारिस्थितिकीय हानि इतनी होने लगी कि पगडंडी मार्गों पर हिमस्खलन जोखिम हर साल बढ़ रहे हैं। ग्लेशियर टूटने की ही तरह ग्लेशियर फिसल कर बस्तियों, मार्गों या ट्रैकिंग राहों में आकर जान-माल का नुकसान बढ़ा है। अब भी नहीं चेते तो पूर्ण विनाश को कोई नहीं रोक सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वोट की राजनीति न हो राष्ट्रीय मुद्दों पर

विश्वनाथ सचदेव

ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ, स्थगित हुआ है। स्थगित होने का नया मतलब है, यह समझना यदि मुश्किल नहीं है तो आसान भी नहीं है। फिर भी, पहलगाम में हुई अमानुषिक आतंकवादी कार्रवाई के विरोध में जिस तरह सारा देश एक होकर उठ खड़ा हुआ और जिस तरह विपक्ष ने सरकार को पूरा समर्थन दिया, उससे राष्ट्र की एकता और ताकत का अहसास तो हो ही जाता है। जहां तक राष्ट्र की सुरक्षा का सवाल है, यह एकता भरोसा देने वाली है। यह मुद्दा राजनीति का कतई नहीं है। पहले भी जब-जब ऐसी स्थितियां आई हैं, सारे देश ने एक होकर दुश्मन का मुकाबला किया है, उसे धूल चटायी है। आगे भी यदि कभी स्थितियां बनती हैं तो निश्चित रूप से देश एक होकर खड़ा होगा, इसमें संदेह नहीं करना चाहिए। लेकिन, राजनीति की एक विवशता यह भी है कि राजनीतिक स्वार्थ अक्सर राष्ट्रीय हितों पर हावी हो जाते हैं। इसलिए ज़रूरी है कि इस स्थिति से बचने के प्रति सजग रहा जाये।

यहीं गड़बड़ हो रही है। जहां समूचा विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए राष्ट्र की एकता को रेखांकित कर रहा है, वहीं सरकार इसका राजनीतिक लाभ उठाने के लालच से बच नहीं पा रही। हालांकि आतंकवाद के विरुद्ध जारी की गयी यह लड़ाई अभी पूरी नहीं हुई है, ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ स्थगित हुआ है, पर इसे सफलता घोषित करके उसका राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश भी स्पष्ट दिखाई दे रही है। ऐसा नहीं होना चाहिए था, पर हुआ है तो इसके बारे में बात भी होगी। और बात निकलेगी तो दूर तलक जायेगी। इस बारे में कुछ और कहने से पहले इस बात को स्वीकार किया जाना जरूरी है कि पहलगाम के काण्ड की सजा देने के लिए हमारी सेना ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के ठिकानों को जिस तरह से ध्वस्त किया है, उसकी सिर्फ प्रशंसा ही की जा सकती है। ऐसा नहीं है कि इसके अलावा और कुछ किया ही नहीं जा सकता था, अथवा किया ही नहीं जाना चाहिए था, पर जो कुछ हुआ उसकी महत्ता को स्वीकार करना ही चाहिए। इस शौर्य के लिए जहां हमारी सेना प्रशंसा की अधिकारी है, वहीं देश के नेतृत्व को भी उसके हिस्से का यश मिलना चाहिए। पर जिस तरह से सरकार इस यश को भुनाने की कोशिश कर रही है, उससे सवाल उठने स्वाभाविक हैं। सरकार की इस कार्रवाई की शुरुआत तो 'ऑपरेशन' के नामकरण के साथ ही हो गयी थी।

निश्चित रूप से, किसी भी राजनीतिक दल में राजनीतिक लाभ उठाने की लालसा तो होती ही है, पर भाजपा में ऐसा हर लाभ प्रधानमंत्री के खाते में जमा करने की प्रवृत्ति एक प्रतियोगिता का रूप ले चुकी है। शायद इसीलिए, इस बात को प्रचारित करना ज़रूरी समझा गया कि कार्रवाई के नाम के साथ सिंदूर जोड़ने का आइडिया स्वयं प्रधानमंत्री का था। हो सकता है यह सही भी हो, पर सामान्यता ऐसी सैनिक कार्रवाइयों का नामकरण सेना के सम्बंधित विभाग ही करते हैं। यहां सच्चाई कुछ भी हो, भाजपा ने सिंदूर के साथ जुड़ी भावनाओं का राजनीतिक लाभ उठाने में कोई देरी नहीं की। अपनी रगों में खून की जगह 'गर्म सिंदूर' बहने की बात कहकर जैसे प्रधानमंत्री ने अपने समर्थकों को आगे बढ़ने का एक रास्ता दिखा दिया था। देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रधानमंत्री की जय-जयकार के लिए सभाओं और 'रोड शो' का आयोजन हो रहा है। प्रधानमंत्री अच्छी तरह समझते हैं कि 'चुटकी भर सिंदूर' की कीमत कितनी होती है। इसीलिए उन्होंने रगों में सिंदूर बहने वाली बात कही थी। वे यहीं तक नहीं रुके। देश भर में उनके भक्तों ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने की योजना बना ली। देश की महिलाओं को 'सिंदूर' बांटने की योजना भी बन गयी, ऐसा कहा जाता है। इस आशय का समाचार जब मीडिया में आया तो इसकी आलोचना भी खूब हुई। भाजपा ने शायद सोचा था कि पिछले चुनाव में जिस तरह प्रधानमंत्री ने कांग्रेस द्वारा 'आपका मंगलसूत्र छीनकर दूसरों को देने की बात' कहकर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की थी, वैसा ही लाभ सिंदूर वाली बात से भी लिया जा सकेगा। पर इस बार दांव कुछ उल्टा पड़ता दिखा। फिर भाजपा की ओर से सिंदूर बांटने की किसी भी योजना से इनकार वाला समाचार आया। पर चर्चा इस बात की है कि इस इनकार के लिए भाजपा को पूरे ढाई दिन क्यों लगे? भाजपा का आईटी सेल अचानक इतना धीमा कैसे हो गया? जिस समाचार पत्र ने यह समाचार छापा था उसने भी खेद प्रकट करने में पूरा समय लिया। आखिर क्यों? इस क्यों का उत्तर कोई नहीं दे रहा। अब न भाजपा यह मानने को तैयार है कि उसके 'ऑपरेशन सिंदूर' का यह सिंदूर बांटने वाला हिस्सा राजनीतिक भूल थी, और न ही विपक्ष भाजपा को नीचा दिखाने वाला यह मौका सहज ही गंवाना चाहता है। बिहार का चुनाव अभी पांच-छह महीने दूर है। भाजपा यह उम्मीद कर सकती है कि तब तक उसकी यह सिंदूर बांटने वाली चूक मतदाता भूल जायेगा।

'बच्चों के लिए मां के दूध के समान है मातृभाषा'

प्रो. सुरेंद्र दुबे

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसरण में शैक्षणिक सत्र 2025-26 से पूर्व प्राथमिक से पांचवीं कक्षा तक मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने की पहल कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। मातृभाषा में शिक्षा मिलने से बच्चा आसानी से विषय को समझ पाता है। उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। इस तरह मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा बच्चे के बौद्धिक विकास में सहायक होती है। मातृभाषा प्राथमिक शिक्षा का स्वाभाविक और सर्वाधिक समर्थ माध्यम है। बच्चे चूंकि मातृभाषा अथवा घर में बोली जाने वाली भाषा जल्द से जल्द सीख लेते हैं इसलिए शिक्षा के माध्यम को परिचित भाषा में ढालने में सहायता मिलती है और भाषा शिक्षण की पद्धति को वैज्ञानिक ढंग से लागू करने की राह सुगम होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा की सिफारिश के अनुसार कक्षा एक से पांच तक बच्चा अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करेगा। इस दौरान वह अपनी पसंद के मुताबिक एक दूसरी भाषा भी पढ़ेगा।

जब वह छठी कक्षा में जाएगा तो वह तीसरी भाषा पढ़ेगा। बुनियादी चरण में यानी पूर्व प्राथमिक से दूसरी कक्षा और आयु की दृष्टि से तीन से आठ वर्ष में पढ़ाई मातृभाषा में होनी है। इस चरण में बच्चे पहली भाषा यानी मातृभाषा में पढ़ना लिखना समझना सीखेंगे। दूसरी भाषा को महज मौखिक रूप से बच्चों से परिचित कराया जाना है। तीसरी से पांचवीं कक्षा की आयु यानी करीब 11 वर्ष तक के बच्चे दूसरे विषयों की पढ़ाई भी मातृभाषा में करेंगे। यदि छात्र मौखिक भाषा (दूसरी भाषा) में पर्याप्त दक्षता प्राप्त कर लेते हैं तो उन्हें परिवर्तन की अनुमति दी जा सकती है। एक बहुभाषिक देश होने के कारण भारत में भाषा-प्रयोग की दृष्टि से एक बड़ी चुनौती यह है कि ऐसी कई भाषाएं हैं जिनकी कोई अपनी लिपि नहीं है और वे अभी भी मौखिक रूप में ही प्रचलित हैं। इसीलिए जहां मातृभाषा में लेखन की परंपरा न हो, जहां कक्षा में भाषाई विविधता हो, वहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिवर्तन की छूट दी गई है। इससे मातृभाषा और बहुभाषावाद दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

इसे ध्यान में रखने की जरूरत है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भाषाओं को एक-दूसरे की किसी प्रतिद्वं?द्विता में नहीं रखती, न वह उन्हें बांधती या रोकती ही है। वह उन्हें अपने विकास के लिए मुक्त करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की गई है, जहां बहुभाषावाद का न केवल स्वागत किया जाएगा, बल्कि सीखने की क्षमता को बढ़ाने के लिए इसका लाभ उठाया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सहज, स्वाभाविक और नैसर्गिक प्रक्रिया के तहत दूसरी भाषाएं भी सीखने-सिखाने की सुविधा देती है। भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है। संविधान की आठवीं अनुसूची में अभिलिखित 22 भाषाओं के अतिरिक्त कई अन्य भाषाएं भी हैं। भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारत की अनेकानेक मातृभाषाओं में स्कूली शिक्षा का जो विकल्प दिया है, उसे पूरा करने की दृष्टि से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा हाल में जारी किए गए भारतीय भाषाओं में प्राइमर और तेरह भाषाओं में विशेष मॉड्यूल बेहद उपयोगी होंगे।

अब तक 13 भाषाओं में प्राइमर तैयार किए जा चुके हैं, जिनमें कश्मीरी (फारसी-अरबी), सिंधी (देवनागरी), सिंधी (फारसी-अरबी), कश्मीरी (देवनागरी), बाल्टी, संताली, ज़ेमी, उर्दू, संगतम, लाई (पावी), गोंडी-तेलुगू, भीली (वागड़ी) और चोकरी शामिल हैं। कुल प्राइमर की संख्या 117 हो गई है। भारतीय भाषाओं में ये प्राइमर केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा विकसित किए गए हैं। 117 भारतीय भाषाओं में विकसित प्राइमर का उ?द्देश्य शिक्षार्थी की मूल भाषा में संदर्भ-समृद्ध सामग्रियों के माध्यम से प्रारंभिक स्तर पर पढ़ने और लिखने की सुविधा प्रदान करना, कम उम्र से भाषा के साथ भावनात्मक और सांस्कृतिक संबंध को बढ़ावा देना और संज्ञानात्मक विकास और सामाजिक एकीकरण के आधार के रूप में बहुभाषा सीखने की सुविधा देना है। छोटे बच्चों के लिए, ये प्राइमर भविष्य की शिक्षा और संज्ञानात्मक विकास के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने मातृभाषा में शिक्षा का अवसर देकर महात्मा गांधी के सपने को भी पूरा किया है।

गांधी जी ने 'हरिजन' के 09-07-1938 के अंक में मातृभाषा में स्कूली जीवन में शिक्षा नहीं दिए जाने के नुकसान का विवरण दिया है और लिखा है कि गणित, रसायनशास्त्र और ज्योतिष सीखने में उन्हें चार साल लगे, उतना उन्होंने एक ही साल में आसानी से सीख लिया होता, अगर अंग्रेजी के बजाय उन्हें गुजराती में पढ़ा होता। उस हालत में आसानी और स्पष्टता के साथ इन विषयों को वे समझ लेते। गुजराती का उनका शब्द ज्ञान कहीं ज्यादा समृद्ध हो गया होता और उस ज्ञान का उन्होंने अपने घर में उपयोग किया हाता। स्कूली जीवन के स्वयं के अनुभव से गांधीजी इस निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि हर तरह की शिक्षा मातृभाषा में ही उत्तम ढंग से दी जा सकती है। गांधी जी मातृभाषा को मां के दूध के बराबर मानते थे। उन्होंने कहा था, 'मातृभाषा मनुष्य के मानसिक विकास के लिए उसी प्रकार स्वाभाविक है, जिस प्रकार मां का दूध शिशु के शरीर के विकास के लिए। शिशु अपना पहला पाठ मां से सीखता है। इसलिए बच्चों के मानसिक विकास के लिए उनके ऊपर मातृभाषा के अलावा कोई और भाषा थोपना मैं मातृभूमि के लिए पापाचार समझता हूं।

तपती गर्मी राहत दिलाएंगे ये योगासन

शरीर को ठंडा रखने में हैं असरदार

गर्मियों का मौसम आते ही धूप, पसीना, चिपचिपाहट महसूस होने लगती है। इस मौसम में शरीर में थकान, चिड़चिड़ापन और पानी की कमी जैसी समस्याएं होना भी आम बात हो जाती है। ऐसे में लोग गर्मी से राहत पाने के लिए दो से तीन बार नहाना पसंद करते हैं। साथ ही ठंडी चीजें खाते पीते हैं ताकि कुछ हद तक गर्मी में ठंडक का अहसास महसूस कर सकें। इस मौसम में प्राकृतिक तरीके से शरीर को ठंडा रखने के लिए योग को अपना सकते हैं। योग न केवल मानसिक शांति देता है, बल्कि शरीर को संतुलित और ठंडा रखने में भी मदद करता है। कुछ योगासन हैं जिन्हें गर्मी के मौसम में अगर आप रोजाना 15-20 मिनट करते हैं तो न केवल शरीर को ठंडक मिलती है, बल्कि मानसिक शांति भी बनी रहती है। ये शरीर को ऊर्जावान भी बनाने में असरदार है।

शीतली प्राणायाम

कुछ प्राणायाम ऐसे हैं, जो सर्दी में गर्मी और गर्मी में ठंडक पहुंचाते हैं। इसी में से एक है शीतली प्राणायाम। जैसा की इसके नाम से ही पता चलता है इस प्राणायाम का संबंध शीतलता से है। यह हमारे शरीर को ठंडक प्रदान करता है। इस प्राणायाम को सभी योगासनों के बाद करना चाहिए। यह आपको गर्मी से निजात दिलाता है और बॉडी को कूल रखता है। इसके अलावा, मन की शांति देने में भी यह बेहद कारगर है। शीतली प्राणायाम सांस से जुड़ी क्रिया है जो शरीर के तापमान को संतुलित करने में बहुत मददगार होती है। इसके अभ्यास के लिए जीभ को बाहर निकालें। इसी अवस्था में सांस अंदर लें। फिर नाक से धीरे-धीरे सांस छोड़ें। शीतली प्राणायाम के समय सांस लयबद्ध और गहरी होना चाहिए। प्राणायाम के अभ्यास के बाद शवासन में कुछ देर विश्राम करें। जहां तक संभव हो सूर्योदय या सूर्यास्त के समय ही यह प्रणायम करें। तेज धूप में यह प्रणायाम न करें। धूल भरे वातावरण में भी प्राणायाम नहीं करना चाहिए।

शीतकारी प्राणायाम

सीत्कारी प्राणायाम का अभ्यास सदियों से किया जाता रहा है। हठ योग प्रदीपिका जैसे प्रतिष्ठित ग्रंथ इसे आंतरिक ऊर्जा को संतुलित करने और मन की शांत अवस्था प्राप्त करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उजागर करते हैं। सीत्कारी प्राणायाम एक शीतल श्वास तकनीक है जो शरीर के तापमान को कम करने और मन को शांत करने की अपनी क्षमता के लिए जानी जाती है। यह प्राणायाम विशेष रूप से गर्म जलवायु और तनावपूर्ण स्थितियों में फायदेमंद है, जहां आंतरिक गर्मी और तनाव को प्रबंधित करना महत्वपूर्ण है। यह प्राणायाम भी सांस क्रिया है जो गर्मियों में बहुत लाभकारी मानी जाती है। इसके अभ्यास से शरीर में ठंडक बनी रहती है। ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है और गुस्सा व बेचैनी कम करने में सहायक है। इसके अभ्यास के लिए दांतों को हल्का खोलें, जीभ को ऊपर रखें। इस दौरान दांतों के बीच से सांस लें। नाक से धीरे-धीरे बाहर छोड़ें।

बालासन

बालसन या बाल विश्राम मुद्रा योग का एक शानदार आसन है। इस आसन का नाम संस्कृत के शब्द बाला (बाल) से लिया गया है, जिसका अर्थ है बच्चे की आराम मुद्रा। दरअसल अगर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि यह आसन भ्रूण की स्थिति जैसा दिखता है यानी कि एक शिशु जब मां के पेट में रहता है, तो वो इसी आसन में होता है। यह एक आराम करने वाली मुद्रा है, जो जांघों पर केंद्रित होती है पर शरीर के सभी मांसपेशियां इसमें इस्तेमाल हो रही होती हैं। बालासन आरामदायक मुद्रा है जो गर्मी से थके शरीर को शांति देने के लिए बहुत फायदेमंद है। इसका अभ्यास थकावट और स्ट्रेस दूर करता है। शरीर और दिमाग दोनों को ठंडा रखता है। इसके अभ्यास के लिए घुटनों के बल बैठकर सिर को जमीन पर टिकाएं और हाथों को आगे की ओर फैलाएं।

हंसना मना है

खैरियत पूछने का जमाना गया साहिब, आदमी ऑनलाइन दिख जाये तो समझ लेना सब ठीक है.. भगवान हम सबको ऑनलाइन रखे।

जरुरत से ज्यादा भगवान को याद मत किया करो क्योंकि, किसी दिन भगवान ने याद कर लिया तो, लेने के देने पड़ जायेंगे।

तुम ही हो मेरे आंखों के तारे, तुम ही हो मेरे जीने के सहारे, बहुत परेशान हूं मैं मेरे यार, उधारी के पैसे चूका दो सारे।

पति- मार्किट में एक अनजान लड़की से कहा हेलो! पत्नी गुस्से में: बताओ ये कौन थी? पति कुछ सोचकर : ओए चुप कर, अभी उसे भी बताना है की, तुम कौन हो..!

पति: काम के लिए बाई रखें? पत्नी: नहीं चाहिए। पति: क्यों? पत्नी: तुम्हारी आदते मैं अच्छी तरह जानती हूं। भूल गए? पहले मैं भी बाई ही थी!

देवदास की तरह जान मत दो यारो, प्यार को लात मारो यारो, मेरी बात मानो यारो, ना चंद्रमुखी ना पारो, रोज़ रात एक किंगफिशर मारो, और चैन से जिंदगी गुजारो यारों..!

कहानी | हाथी और छह अंधे व्यक्ति

एक समय की बात है, एक गांव में 6 अंधे व्यक्ति रहते थे। वह बड़ी खुशी के साथ आपस में रहते थे। एक बार उनके गांव में एक हाथी आया। जब उनको इस बात की जानकारी मिली, तो वो भी उस हाथी को देखने गये। लेकिन अंधे होने के कारण उन्होंने सोचा हम भले ही उस हाथी को न देख पाए, लेकिन छूकर जरूर महसूस करेंगे कि हाथी कैसा होता है। वहां पहुंच कर उन सभी ने हाथी को छूना शुरू किया। हाथी को छूकर एक अंधा व्यक्ति बोला, हाथी एक खंभे की माफिक होता है, मैं अब अच्छे से समझ गया हूं, क्योंकि उसने हाथी के पैरों को महसूस किया था। तभी दूसरा व्यक्ति हाथी की पुंछ पकड़ कर बोला अरे नहीं, हाथी तो रस्सी की तरह होता है। तभी तीसरा व्यक्ति भी बोल पड़ा अरे नही, मैं बताता हूं, यह तो पेड़ के तने की तरह होता है। तुम लोग क्या बात कर रहे हो, हाथी तो एक बड़े सूपे की तरह होता है, चौथे व्यक्ति ने कान को छूते हुए सभी को समझाया। तभी अचानक पांचवें व्यक्ति ने हाथी के पेट पर हाथ रखते हुए सभी को बताया अरे नहीं-नहीं , यह तो एक दीवार की तरह होता है। ऐसा नहीं है, हाथी तो एक कठोर नली की तरह होता है, छठे व्यक्ति ने अपनी बात रखी। सभी के अलग अलग मत होने के कारण उन सभी में बहस होने लगी, और खुद को सही साबित करने में लग गए। उनकी बहस तेज होती गयी और ऐसा लगने लगा मानो वो आपस में लड़ ही पड़ेंगे। तभी वहां से एक बुद्धिमान व्यक्ति गुजर रहा था। उनकी बहस को देखकर, वह वहां रुका और उनसे पूछा, क्या बात है, तुम सब आपस में झगड़ा क्यों कर रहे हो? उन्होंने बहस का कारण बताते हुए, उस बुद्धिमान व्यक्ति को बताया कि हम यह नहीं तय कर पा रहे हैं, कि आखिर हाथी दिखता कैसा है, उन्होंने ने उत्तर दिया। फिर एक एक करके उन्होंने अपनी बात उस व्यक्ति को समझायी। बुद्धिमान व्यक्ति ने सभी की बात शांति से सुनी और बोला, तुम सब अपनी-अपनी जगह सही हो, तुम्हारे वर्णन में अंतर इसलिए है, क्योंकि तुम सबने हाथी के अलग-अलग भागों को छुआ एवं महसूस किया। लेकिन यदि देखा जाए, तो तुम लोग अपनी अपनी जगह ठीक हो, क्योंकि जो कुछ भी तुम सबने बताया, वो सभी बाते हाथी के वर्णन के लिए सही बैठती हैं। अब तक सभी को सारी बातें समझ आ गयी थी। उसके बाद उस बुद्धिमान व्यक्ति ने उन्हें समझाया यदि आप सब अपने जो जो महसूस किया, उसके अलावा भी यदि आगे कुछ देखते तो आप को हाथी असल में कैसा होता है समझ आ जाता।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृषभ

रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मिथुन

नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

कर्क

मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। भय रहेगा। प्रमाद न करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

सिंह

बनते कामों में बाधा हो सकती है। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है। कुसंगति से हानि होगी।

कन्या

सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

तुला

जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु

वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लाभ बढ़ेगा।

मकर

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी।

कुम्भ

सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी। ऐश्वर्य पर व्यय हो सकता है। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मीन

व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

पैपराजी को देखकर फिर भड़कीं जया बच्चन

दिग्गज अभिनेत्री और राजनेता जया बच्चन का अक्सर नाराजगी वाले वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आते रहते हैं। अब हाल ही में एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें वो पैपराजी पर भड़कती नजर आ रही हैं। इस पर नेटिजंस की तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। जया बच्चन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में उन्हें अपनी बेटी श्वेता बच्चन के साथ देखा जा सकता है, जिसमें वह फोन से बात करती भी दिख रही हैं। उसी दौरान पैपराजी जया बच्चन की फोटो और वीडियो क्लिक करने के लिए उनका पीछा करते हैं। इतना देखकर जया बच्चन पैपराजी पर भड़क जाती हैं। इसके बाद जया बच्चन पैप्स से गुस्से में कहती हैं कि चलिए, आप लोग भी आइए साथ में। हालांकि, बाद में उनकी बेटी श्वेता बच्चन उन्हें पकड़कर गाड़ी में बैठने में मदद करती हैं। पैपराजी पर जया बच्चन की इस प्रतिक्रिया को देख नेटिजंस रिएक्शंस दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि उनकी फोटोज लेते ही क्यों हो। दूसरे यूजर ने कहा कि ये फोटोग्राफर जलील होने के लिए इनके सामने क्यों आ जाते हैं। वहीं एक और इंस्टा यूजर ने लिखा कि बुढ़ापा है भाई, समझ सकते हैं। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने कहा कि रेखा जी आइए और इनको हैंडल करिए। दिग्गज अभिनेत्री जया बच्चन को अक्सर पैपराजी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए देखा जाता है। हालांकि, इसे लेकर उनकी बेटी श्वेता बच्चन ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें तस्वीरें खिंचाना नहीं पसंद है। इस कारण वह पैपराजी पर भड़क जाती हैं।

गुस्से में बोलीं- चलिए, आप लोग भी आइए साथ में

शाहरुख मेरे पिता की तरह : अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे बॉलीवुड के किंग खान और उनके परिवार के काफी करीब हैं। हाल ही में उन्होंने अभिनेता शाहरुख खान की तारीफ की और कहा कि वो बहुत ही बेहतरीन इंसान हैं। साथ ही बताया कि अभिनेता अभी भी उनके करियर को लेकर सवाल करते हैं। एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अभिनेता शाहरुख खान को लेकर कहा, 'वह हम सभी को हमारे खेल दिवस और ताइक्वांडो प्रतियोगिताओं के लिए सिखाया करते थे। वह हमारे जिंदगी के सारे पहलुओं में शामिल रहे हैं। अभी भी वह जानना चाहते हैं कि हम क्या कर रहे हैं और वह बहुत हद तक हमारे जीवन में शामिल रहते हैं। साथ ही, जब वह आपसे बात करते हैं, तो उनमें यह गुण है कि वह आपको यह एहसास दिलाते हैं कि आप दुनिया के एक बहुत ही खास व्यक्ति हैं। मुझे लगता है उनके जैसा कोई नहीं है।' अभिनेत्री अनन्या पांडे को अक्सर अभिनेता शाहरुख खान के परिवार के एक बहुत ही करीबी सदस्य के रूप में देखा जाता है। एक्ट्रेस ने कहा, 'शाहरुख मेरे दूसरे पिता की तरह हैं। वह मेरे सबसे अच्छे दोस्त के पिता हैं, इसलिए हम सभी आईपीएल मैच देखने उनके साथ जाते थे। इंडस्ट्री में सिर्फ सुहाना (शाहरुख खान की बेटी) और शनाया (संजय कपूर की बेटी) ही मेरी सबसे करीबी दोस्त हैं और हम सब कुछ शेयर करते हैं।' अनन्या पांडे के करियर फ्रंट की बात करें तो उन्होंने साल 2019 में बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वहीं अभिनेत्री को हाल ही में फिल्म 'केसरी 2' में देखा गया था, जिसमें उन्होंने दिलरीत गिल की भूमिका निभाई थी, जो एक वकील रहती हैं। इसके अलावा पिछले साल एक्ट्रेस एक सीरीज 'कॉल मी बे' में भी नजर आईं थीं।

बोलीं- उनके जैसा कोई नहीं

आरसीबी की जीत पर खुश हुए सेलेब्स

विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने आईपीएल में अपना ट्रॉफी का सूखा खत्म कर लिया है। 18 साल बाद आईपीएल के 18वें सीजन में आरसीबी ने ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। आरसीबी के फैंस पिछले 17 साल से इस ट्रॉफी का इंतजार कर रहे थे। अब आरसीबी की जीत पर फैंस से लेकर सेलेब्स तक खुशी जता रहे हैं। अभिनेता और क्रिकेट लवर सुनील शेट्टी ने भी आरसीबी की जीत पर खुशी जताई है। सुनील शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर विराट और अनुष्का के जीत के बाद एक-दूसरे से मिलने और गले लगाने वाले वीडियो को अपनी स्टोरी पर शेयर किया। इसके साथ ही सुनील शेट्टी ने लिखा, '18 साल, अनगिनत रन और पूरा भरोसा। फाइनली किस्मत बदली। विराट कोहली जिन्होंने आईपीएल को एक नया जोश दिया, फाइनली उन्होंने ट्रॉफी उठाई। उन्होंने इसके लिए जी जान एक कर दिया और दिल से खेला। वहीं अभिनेता विक्की कौशल ने आरसीबी की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए अपने इंस्टाग्राम पर कई स्टोरी शेयर कीं। इनमें एक स्टोरी में उन्होंने जहां सिर्फ 18 लिखकर ट्रॉफी, हॉर्ट और इमोशनल वाला इमोजी बनाया, तो वहीं दूसरी स्टोरी में उन्होंने जीत के बाद विराट की इमोशनल फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'उस व्यक्ति के लिए जिसने खेल को अपना सबकुछ दिया। ये लंबे वक्त से बाकी था।' इसके साथ उन्होंने रेड हार्ट इमोजी बनाते हुए विराट कोहली को मेंशन भी किया है। इसके अलावा विक्की ने एक अन्य स्टोरी में चैंपियन आरसीबी की फोटो पर बधाई दी है। वहीं अजय देवगन ने आरसीबी की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, 'वर्षों से देख रहा हूं और चीयर कर रहा हूं। फाइनली आरसीबी ने इतिहास रच दिया। विराट कोहली और पूरी आरसीबी की टीम को बधाई।'

सुनील शेट्टी बोले- फाइनली विराट ने ट्रॉफी उठाई

12 बीवियों, 102 बच्चों और 500 से ज्यादा नाती-पोते संग रहता है ये शख्स!

पुराने समय में लोगों के परिवार बड़े और संयुक्त होते थे, जिससे मिल-बांटकर काम हो जाएं और आर्थिक रूप से परिवार पर बोझ न पड़े। धीरे-धीरे जब परिवार अलग होने लगे, तो लोग कम बच्चे पैदा करने लगे जिससे खर्च कम हो जाएं। आज के समय में लोग 1 या 2 बच्चे ही पैदा करते हैं, जिससे उनकी देखभाल भी अच्छे से हो जाए और पढ़ाई-लिखाई का खर्चा भी ज्यादा न आए। मगर युगांडा देश में एक परिवार है, जिसमें करीब 700 लोग रहते हैं। ये सारे लोग एक ही आदमी से जुड़े हैं। इस परिवार के बारे में जानकर लोग यही कह रहे हैं कि इसे घर नहीं, जिला घोषित कर देना चाहिए! हर्ष राय एक भारतीय ट्रैवल ब्लॉगर हैं जिनके इंस्टाग्राम पर 1 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। हाल ही में हर्ष युगांडा पहुंचे थे, जहां उनकी मुलाकात एक ऐसे शख्स से हुई, जिसकी फैमिली इतनी बड़ी है कि उनके घर को घर नहीं, जिला बोलना ही उपयुक्त होगा। शख्स का नाम है मूसा हासिया कसेरा। वो करीब 67 साल के हैं और उनकी 12 बीवियां हैं। हर्ष के अनुसार मूसा की फैमिली दुनिया में सबसे बड़ी है, हालांकि, बीबीसी के अनुसार दुनिया की सबसे बड़े फैमिली भारत के मिजोरम में जियोना चाना फैमिली है। जियोना की मौत 2021 में हो गई थी। रॉयटर्स के अनुसार वो 76 साल की उम्र में मरे। उनके पीछे उनकी 39 बीवियां, 94 बच्चे और सैकड़ों नाती-पोते हैं। नाती-पोतों के लिहाज से तो मूसा का परिवार और भी ज्यादा बड़ा है। मूसा के 102 बच्चे हैं। वहीं उनके नाती-पोते करीब 570 हैं। वीडियो में आप उनका घर देख सकते हैं। शख्स के पास कुल 20-30 घर हैं। इस वीडियो को 55 लाख व्यूज मिल चुके हैं और कई लोगों ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक शख्स ने छुप-छुप के मूवी का डायलॉग कमेंट सेक्शन में लिखा है- तो इसको जिला क्यों नहीं घोषित कर देते? एक ने कहा कि इतने बच्चे हैं, इसी वजह से गरीबी है। एक ने पूछा कि शख्स को सबके नाम याद होंगे? एक ने कहा कि शख्स ने अलग साम्राज्य ही बनाया हुआ है।

अजब-गजब | 8 अरब साल बाद कैसी दिखेगी धरती

खगोलविदों को मिल गई पहली झलक

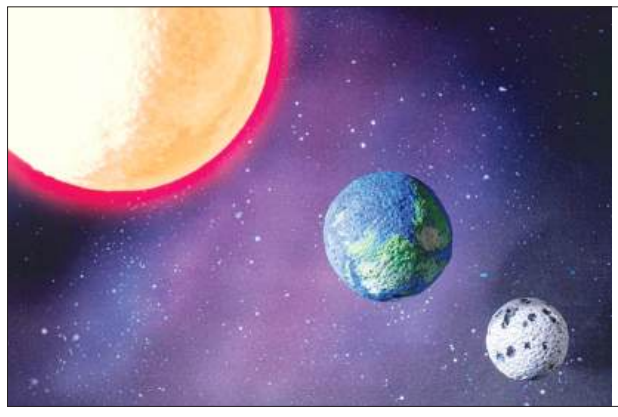

2020 में भी दिखा था ये ग्रह

हम सब भविष्य के बारे में जानने की ख्वाहिश रखते हैं। इसीलिए ज्योतिषी के पास जाते हैं। कुंडली दिखाते हैं। क्योंकि अगर हमें पहले की घटनाओं के बारे में आज अंदाजा हो जाए, तो उस हिसाब से पहले से तैयारी की जा सके। लेकिन कभी आपने सोचा कि आज से हजारों-लाखों सालों बाद धरती कैसी दिखेगी? वैसे तो तमाम टाइम ट्रैवलर्स इसे लेकर दावे करते रहते हैं, लेकिन उनकी बातों में सच्चाई कम अफवाह ज्यादा होती है। लेकिन पहली बार खगोलविदों को धरती की ऐसी झलक मिली है, जिसे देखकर वे हैरान हैं। दरअसल, उन्हें अंतरिक्ष में एक ग्रह मिला है, खगोलविदों का मानना है कि 8 अरब साल बाद हमारी धरती भी बिल्कुल उसकी तरह दिखेगी। लाइव साइंस की रिपोर्ट के मुताबिक, KMT-2020-BLG-0414 नाम का यह ग्रह धरती से 4,000 प्रकाश वर्ष दूर पाया गया है। यह एक चट्टानी ग्रह है, जो एक सफेद तारे की परिक्रमा कर रहा है। यह तारा सूर्य की तरह दहक रहा है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि हमारा सूर्य भी 5 अरब वर्षों बाद इसी सफेद तारे की तरह नजर आया और सिकुड़कर काफी छोटा हो जाएगा। उससे पहले यह एक लाल विशालकाय ग्रह में बदल जाएगा। हो सकता है कि यह बुध, शुक्र और शायद पृथ्वी को भी निगल जाए। लेकिन अगर धरती बच जाती है, तो अंतरिक्ष में मौजूद इसी ग्रह की तरह नजर आएगी। खगोलविदों की यह रिसर्च नेचर एस्ट्रोनॉमी में पब्लिश हुई है। रिसर्च टीम के सदस्य और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सैन डिएगो के खगोलशास्त्री केमिंग झांग ने कहा, अभी हमारे पास इस बात के कोई सबूत नहीं हैं कि 6 अरब साल बाद हमारी धरती बचेगी या नहीं। या फिर लाल विशालकाय सूर्य उसे निगल लेगा। लेकिन अगर ऐसा हुआ तो उससे काफी पहले धरती इतनी गर्म हो जाएगी कि महासागरों का पानी भाप बनकर उड़ जाएगा। धरती पर कोई भी जीव, पेड़ पौधे नहीं बचेंगे। सब भस्म हो जाएंगे। धरती बिल्कुल इस ग्रह की तरह चट्टानी हो जाएगी। खगोलविदों ने इस ग्रह को पहली बार 2020 में देखा था, तब यह हमारी आकाशगंगा के सेंटर में प्वाइंट के पास था और 25000 प्रकाश वर्ष दूर स्थित एक तारे के प्रकाश के सामने से गुजरा था। लेकिन गुरुत्वाकर्षण की वजह से इसका आकार बार-बार बदलता जा रहा है, जिससे इसका स्वरूप अलग हो गया है। यह जिस तारे की परिक्रमा कर रहा है, वह धरती से दोगुना बड़ा है। इस तारामंडल में एक भूरा बौना ग्रह भी है, जो बृहस्पति ग्रह के वजन से 17 गुना भारी है।

मप्र के किसानों के साथ धोखा कर रही मोहन सरकार : कमलनाथ

» बोले कांग्रेस नेता- मूंग उत्पादकों की फसल खरीदी को तैयार नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में मूंग की फसल को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर मूंग उत्पादक किसानों के साथ धोखा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को मूंग की खेती के लिए प्रेरित तो किया, लेकिन अब जब फसल तैयार होकर बाजार में आ चुकी है, तो उसे न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने से पीछे हट रही है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर मूंग उत्पादक किसानों के साथ धोखा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले किसानों को मूंग की खेती के लिए प्रेरित किया, लेकिन अब जब फसल तैयार है, तो सरकार उसे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदने को तैयार नहीं है।

कमलनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया में लिखा कि प्रदेश की भाजपा सरकार मूंग के किसानों के साथ खुला धोखा कर रही है। सरकार ने पहले उन्हें मूंग की खेती के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे बड़ी मात्रा में मूंग का उत्पादन हुआ। अब जब फसल बाजार में आई है, तो सरकार उसे खरीदने से मुंह मोड़ रही है।उन्होंने कहा कि किसान मजबूरी में अपनी फसल खुले बाजार में औने-पौने दामों पर बेचने को विवश है, जिससे उन्हें भारी घाटा हो रहा है। कमलनाथ ने मांग की कि सरकार तत्काल मूंग की फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने की घोषणा करे और उसकी खरीदी की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि किसानों को उनके पसीने की कीमत मिल सके। पूर्व मुख्यमंत्री के इस बयान से किसानों की नाराजगी और सरकार की खरीदी नीति को लेकर नए सिरे से बहस छिड़ गई है।

भर्ती माफिया भाजपा नेताओं के संरक्षण में काम कर रहे

सिंघार ने सवाल उठाया कि भर्ती माफिया किसके संरक्षण में काम कर रहा है? क्यों मुख्यमंत्री इस गंभीर मामले पर चुप हैं? उन्होंने दावा किया कि घोटाले की परतें हर दिन खुलती जा रही हैं और इसके तार बिहार व छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों से भी जुड़े हैं। उन्होंने इसे व्यापमं, नर्सिंग, परिवहन, पटवारी और बिजली विभाग जैसे पुराने घोटालों की कड़ी में एक और कड़ी बताया और कहा कि इन घोटालों से प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ बार-बार खिलवाड़ किया गया है। सिंघार ने मांग की कि भर्ती प्रक्रिया पर तुरंत रोक लगाई जाए, पूरी परीक्षा रद्द की जाए और निष्पक्षता के साथ दोबारा परीक्षा करवाई जाए। साथ ही, CBI जांच कराकर असली दोषियों को सजा दिलाई जाए ताकि युवाओं का भविष्य सुरक्षित रह सके।

एमपी पुलिस आरक्षक भर्ती में घोटाले की जांच हो : सिंघार

मध्य प्रदेश में पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा में बड़े स्तर पर फर्जीवाड़े के खुलासे के बाद सियासी बयानबाजी भी तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इस पूरे मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की है और राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। उमंग सिंघार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि राज्य सरकार के अधीन काम कर रहे गृह विभाग, जो खुद मुख्यमंत्री के पास है, उसी में यह बड़ा घोटाला सामने आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हजारों पदों पर भर्ती के दौरान असली अभ्यर्थियों के स्थान पर सॉल्वर बैठाए गए और दस्तावेजों में फोटो, हस्ताक्षर, फिंगरप्रिंट और हैंडराइटिंग तक मेल नहीं खा रहे। फर्जी आधार कार्ड के ज़रिए बड़े स्तर पर धांधली की गई है।

मैं भाजपा की मुखालफत करता रहूंगा : ओवैसी

» बोले एआईएमआईएम प्रमुख- प्रतिनिधिमंडल ने जिन भी देशों का दौरा किया अच्छा रहा रिस्पॉन्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी विदेश में पाकिस्तानी की आतंक सरपरस्ती की पोल खोलकर भारत लौट आए हैं। वह भारतीय बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के तौर पर सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया की यात्रा पर थे. इन देशों में उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान के आतंकी फंडिंग पर तीखा प्रहार कर खूब सुर्खियां बंटोरी।

भारत लौटने पर उन्होंने पाकिस्तान पर फिर से निशाना साधा है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वह बीजेपी का विरोध करते रहेंगे। ओवैसी ने कहा, प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान जिन भी देशों में गए, वहां रिस्पॉन्स अच्छा था। हमने उनको बहुत सी बातें बताई. वो लोग बहुत पॉजिटिव थे बाहर के मुल्कों ने पूछा कि हम पाकिस्तान से बात क्यों नहीं करते? इस पर ओवैसी ने कहा कि हमने उनको बताया कि 26/11 में जब हमने उनसे बात की, पठानकोट हुआ, हमने उनके आईएसआई के लोगों को बुलाया। क्या हुआ कुछ नहीं? कुछ नहीं हुआ। हमारे पास प्रूफ है,प्रूफ ये है कि पहलगाम की घटना के बाद जो ई-मेल के जरिए टीआरएफ ने इस हमले की जिम्मेदारी ली, वो दोनों ई-मेल पाकिस्तान मिलिट्री कैंटोनमेंट के आसपास से किए गए थे। इससे कैसे पाकिस्तान इनकार करेगा?। जब ओवैसी से पूछा गया कि विपक्ष देश में कुछ और बात कर रहा है और विदेश में कुछ और तो उन्होंने कहा, हम बीजेपी की मुखालफत करते आए हैं और आखिरी दम तक करते रहेंगे। हम विदेश क्यों गए, हम क्या बीजेपी के लिए गए? क्या हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए गए? नहीं, हम भारत देश के लिए गए। भारत की आवाज और तकलीफ को दुनिया के सामने रखने गए। हम पाकिस्तान की नापाक हरकतों को दुनिया के सामने रखने गए। किसी एक शख्स के लिए हम दूसरे देशों के दौरे पर नहीं गए।

पाकिस्तान को एफएटीएफ लिस्ट में डालने की मांग

ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान में फैले आतंकवाद की जड़ वहां की अवैध वित्तीय प्रणाली है.। उन्होंने एफएटीएफ देशों से अपील की कि वे भारत की उस कोशिश में साथ दें, जिसके तहत पाकिस्तान को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाला जा सके।

कन्हैयालाल के दोषियों को अब तक सजा नहीं मिली : गहलोत

» हत्याकांड की जांच को लेकर पूर्व सीएम ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल के नृशंस हत्याकांड की जांच को लेकर राजस्थान में एक बार फिर से सियासत गरमाने लगी है। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने इस मामले को लेकर बीजेपी पर हमला बोला है।

कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर भाजपा ने जमकर राजनीति की एवं राजस्थान के चुनाव का मुख्य मुद्दा इसे बना दिया। घटना की रात को ही ये केस एनआईए ने ले लिया। भाजपा की केन्द्र सरकार के अधीन आने वाली एजेंसी एनआईए के पास ये केस है परन्तु तीन साल केस चलने के बाद भी आजतक इस स्पष्ट प्रकृति के मामले में दोषियों को सजा नहीं हो सकी है। गहलोत ने कहा कि कन्हैयालाल के परिजनों ने बताया है कि इस केस को फास्ट ट्रैक नहीं चलाया जा रहा है।

बंदूकों से नहीं हो सकता मुद्दों का समाधान : महबूबा मुफ्ती

» पूर्व सीएम ने खीर भवानी मंदिर में की पूजा-अर्चना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने गंदेरबल में खीर भवानी मंदिर में पूजा-अर्चना की। खीर भवानी मेला कश्मीरी पंडित समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण वार्षिक धार्मिक उत्सव है। यह गंदेरबल जिले के तुल्ला मुल्ला गांव में खीर भवानी मंदिर में आयोजित किया जाता है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि पीडीपी का मानना है कि जम्मू-कश्मीर में मुद्दों का समाधान बंदूकों से नहीं हो सकता। आतंकवाद इसका समाधान नहीं है। इसके लिए राजनीतिक प्रक्रिया होनी चाहिए। यह राजनीतिक प्रक्रिया तब तक हासिल नहीं हो सकती जब तक हमारे सभी कश्मीरी पंडित कश्मीर वापस नहीं आ जाते। इससे पहले पवित्र माता खीर भवानी मंदिर में आयोजित मेला खीर भवानी के शुभ अवसर पर महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर के लोगों, विशेष रूप से कश्मीरी पंडित समुदाय को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। यह जीवंत त्योहार कश्मीरी पंडितों और मुसलमानों के बीच स्थायी एकता, सद्भाव और साझा सांस्कृतिक विरासत का एक कालातीत प्रमाण है, जो दुनिया के सामने उनके अटूट बंधन को दर्शाता है।

सुदर्शन का धमाल, ऑरेंज कैप जीतकर रचा इतिहास

» सीजन में 15 मैचों में 54.21 की औसत से 759 रन जोड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 का समापन हो गया है। आरसीबी ने फाइनल में पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार आईपीएल ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। वहीं गुजरात टाइटंस के युवा सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने 18वें सीजन में ऑरेंज कैप जीती। ये अवॉर्ड एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर को मिलता है।

उन्होंने सीजन में 15 मैचों में 54.21 की औसत से 759 रन जोड़े। उनके बल्ले से एक शतक और 6 अर्धशतकीय पारियां निकलीं। जीटी एलिमिनेटर से आगे नहीं बढ़ी। सुदर्शन ने जबर्दस्त प्रदर्शन के दम पर डबल धमाल किया। उन्होंने ना सिर्फ ऑरेंज कैप जीतकर इतिहास रच दिया। दरअसल, सुदर्शन आईपीएल ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 23 साल और 231 दिन की उम्र में ऑरेंज कैप अपने नाम की। सुदर्शन ने जीटी के कप्तान शुभमन गिल का रिकॉर्ड ध्वस्त किया है। गिल ने आईपीएल 2023 में 23 साल और 263 दिन की उम्र में ऑरेंज कैप हासिल की थी। उन्होंने 16वें सीजन में 17 मैचों में 59.33 की औसत से 890 रन से बनाए, जिसमें तीन सेंचुरी और चार फिफ्टी शामिल हैं।

सुयंक्त रूप से सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले खिलाड़ी बने

सुदर्शन इसके अलावा एक आईपीएल सीजन में सुयंक्त रूप से सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 18वें सीजन में 88 चौके ठोके। सुदर्शन ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व धाकड़ ओपनर डेविड वॉर्नर की बराबरी कर ली। वॉर्नर ने आईपीएल 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से 17 मैचों में 88 चौके मारे थे। लिस्ट में तीसरे नंबर पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने 2011 में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए 86 चौके जमाए। उनके बाद गिल का नंबर है।

आरसीबी के विक्ट्री सेलिब्रेशन में हुई भगदड़ पर बीसीसीआई ने शोक जताया

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में कई लोगों की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। आरसीबी के 18 साल के इंतजार के बाद पहले आईपीएल खिताब जीतने से शहर में जश्न का माहौल था जो आज गम में बदल गया। स्टेडियम के बाहर लाखों की तादाद में फैंस जुटे थे जिन पर पुलिस नियंत्रण नहीं कर सकी।

मोदी के जम्मू-कश्मीर दौरे से पहले उठा सवाल

कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने पूछा- पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादी अभी भी गिरफ्त से बाहर क्यों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जम्मू कश्मीर दौरे से एक दिन पहले बृहस्पतिवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि वह इस बात से जरूर अवगत होंगे कि पहलगाम आतंकी हमले को अंजाम देने वाले आतंकी आज भी न्याय की जद से बाहर हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री कल जम्मू-कश्मीर के दौरे पर होंगे।

निश्चित रूप से वह जानते हैं कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमलों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार आतंकी अभी भी नहीं पकड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ खबरों के अनुसार ये वही आतंकवादी हैं जो दिसंबर, 2023 में पुंछ में और अक्टूबर, 2024 में गगनगीर और गुलमर्ग में हुए आतंकी हमलों में भी शामिल थे। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे 'आर्च ब्रिज' चिनाब रेल पुल का उद्घाटन करेंगे और जम्मू-कश्मीर के कटरा तथा श्रीनगर के बीच वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी भी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि कटरा में प्रधानमंत्री 46,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे।

पाकिस्तान को दोहरी जिम्मेदारी मिलना हमारी विदेश नीति के पतन की दुखद दास्तां है : खेड़ा

कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र में दो जिम्मेदारियां मिलना भारतीय विदेश नीति के पतन की दुखद दास्तां है, लेकिन वैश्विक समुदाय पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद के प्रायोजन को लगातार वैध ठहराना कैसे जारी रख सकता है?पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) तालिबान प्रतिबंध समिति के अध्यक्ष और यूएनएससी आतंकवाद विरोधी समिति के उप प्रमुख की जिम्मेदारी मिली है।कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट किया, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 9 मई को आईएमएफ ने पाकिस्तान को एक अरब डॉलर दिए। ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद विश्व बैंक ने पाकिस्तान को 40 अरब डॉलर देने का फैसला किया। ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद 3 जून को एडीबी ने पाकिस्तान को 80 करोड़ डॉलर दिए। उन्होंने कहा कि अब 4 जून को पाकिस्तान को यूएनएससी तालिबान प्रतिबंध समिति के अध्यक्ष और यूएनएससी आतंकवाद विरोधी समिति के उप प्रमुख के रूप में चुना गया।

सरकार ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को हैं तैयार : रिजिजू

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने में सभी राजनीतिक दलों को साथ लेने के सरकार के संकल्प को रेखांकित करते हुए कहा कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को 'राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि कथित भ्रष्टाचार के मामले में फंसे न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के उद्देश्य से की जा रही यह कवायद एक 'सहयोगात्मक प्रयास हो उन्हें उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति ने दोषी ठहराया है। 23 दिन के मॉनसून के इस सत्र में कई अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी और इनमें से एक न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव भी होगा। केंद्र सरकार ने संसद के मानसून सत्र की तारीख का ऐलान ऐसे वक्त में किया है, जब विपक्ष की ओर से लगातार पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की जा रही है।

सीएम मान के बयान पर नहीं रुक रहा घमासान

» वन नेशन वन हसबैंड पर सियासी बवाल

» पंजाब के सीएम ने पीएम मोदी पर किया कटाक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब सीएम ने पीएम मोदी पर ऑपरेशन सिंदूर पर कटाक्ष किया था कि वह वन नेशन वन हसबैंड योजना ला रहे हैं इसको लेकर पंजाब समेत पूरे देश में घमासान मचा गया है। बीजेपी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की ऑपरेशन सिंदूर को लेकर की गई टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है।

बीजेपी ने मांग की है कि सीएम मान को अपने बयान पर माफी मांगनी चाहिए और मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए। बीजेपी नेताओं ने भगवंत मान के बयानों को गैर-जिम्मेदाराना और आपत्तिजनक करार दिया है। पार्टी का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर, जो एक महत्वपूर्ण सुरक्षा अभियान था, उस पर पंजाब के सीएम की टिप्पणी न केवल अनुचित है, बल्कि यह राष्ट्रीय हितों के खिलाफ भी है। बीजेपी ने इसे पंजाब सरकार की विफलता और असंवेदनशीलता का प्रतीक बताया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि भाजपा घर-घर जाकर सिंदूर बांटेगी, उन्होंने कहा कि क्या आप मोदी के नाम का सिंदूर लगाएंगे? क्या यह एक राष्ट्र, एक पति योजना है? इसको लेकर पंजाब के बीजेपी प्रवक्ता प्रीतपाल सिंह बलियावाल ने कहा, भगवंत मान का बयान निंदनीय है।

राज्य की छवि को नुकसान पहुंचा रही आप : भाजपा

बीजेपी ने पंजाब सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने बार-बार गलत नीतियों और बयानों से राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाया है। पार्टी ने केंद्र सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने की भी मांग की है। बीजेपी ने मांग की है कि भगवंत मान के बयानों की जांच की जाए और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई हो। पार्टी ने कहा कि इस तरह के बयान देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा बन सकते हैं।

बिहार में चल रही है तालिबानी सरकार : तेजस्वी

» गया में डॉक्टर की पिटाई के बाद सियासी बवाल

» कहा- वहां से भी बदतर स्थिति है यहां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गया। बिहार में जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आता जा रहा है वहां पर सियासी गहमागहमी तेज होती जा रही है। जहां विपक्ष सता पक्ष पर हमलावर है वहीं सत्ता में भागीदार पार्टियां वहां की विपक्षी पार्टियों पर तीखा प्रहार करने में कोई गुरेज नहीं कर रही है। इन सबके बीच बिहार में बढ़ रहे आपराधिक वारदातों को लेकर राजद ने नीतश सरकार पर वार किया है।

गय में मंगलवार को रेप पीड़िता के घर महिला का इलाज करने पहुंचे डॉक्टर को बदमाशों ने पेड़ से बांधकर जमकर पिटाई कर दी थी। इस खबर के बाद बिहार प्रतिपक्ष नेता तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बिहार को तालिबान से तुलना करते हुए बिहार सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने अपने ट्विटर पर लिखा है कि बिहार में तालिबान से भी बदतर स्थिति है। गया जिला में बलात्कार पीड़िता की मां का इलाज करने गए डॉक्टर को आरोपियों ने पेड़ से बांधकर पीट-पीट कर खून से लथपथ कर दिया।

20 वर्षों की भ्रष्ट एनडीए सरकार नाकाम

20 वर्षों की भ्रष्ट एनडीए सरकार में पुलिस और प्रशासन अपराध रोकने, अपराधियों को पकड़ने, सजा एवं न्याय दिलाने में बिल्कुल असमर्थ है। इसलिए लोग अपनी मर्जी से कानून को हाथ में ले रहे हैं। बिहार में तालिबान से भी बदतर स्थिति है। गया जिला में बलात्कार पीड़िता की मां का इलाज करने गए डॉक्टर को आरोपियों ने पेड़ से बांधकर पीट-पीट कर खून से लथपथ कर दिया।

पीड़िता के परिजनों से मिले तेजस्वी यादव

कुढ़नी प्रखंड में दुष्कर्म पीड़िता की मौत के बादनेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। इस दौरान राजद के कई विधायक और वरिष्ठ नेता उनके साथ मौजूद रहे। तेजस्वी यादव ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया।

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे का मांगा इस्तीफा

तेजस्वी यादव ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इतनी बड़ी घटना के बाद भी राज्य सरकार और उसके मंत्री अब तक मौन हैं। उन्होंने बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मंत्री को पीड़ित परिवार से मिलने की जरूरत तक महसूस नहीं हुई। अगर वे मौके पर जाकर परिजनों से बात करते तो घटनास्थल पर हुई लापरवाही और कमियों की जानकारी मिल सकती थी।

अपने 9वीं फेल बेटे को बिहार का राजा बनाना चाहते हैं लालू : प्रशांत किशोर

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने गुरुवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख अपने बेटे तेजस्वी यादव को बिहार का राजा बनाना चाहते हैं, जिन्होंने 9वीं कक्षा भी पास नहीं की है, जबकि आम लोगों के बच्चों को सातक करने के बावजूद नौकरी नहीं मिल रही है। किशोर ने बिहार के सारण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें लालू प्रसाद यादव से सीखना चाहिए कि बच्चों की चिंता कैसे की जाती है।

आदित्य आगे आकर गठबंधन की बात करें : प्रकाश

» मनसे ने कहा- अगर राज ठाकरे से मिलना है तो माने ये शर्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के सीनियर नेता प्रकाश महाजन ने उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन पर बात बनने से पहले एक बड़ी शर्त रख दी है। प्रकाश महाजन का कहना है कि अगर शिवसेना यूबीटी मनसे के साथ आना चाहती है तो आदित्य ठाकरे आगे आएं और खुद आकर राज ठाकरे से मिलें।

प्रकाश महाजन अपनी इस शर्त के पीछे की वजह भी बताई. उनका कहना है कि अगर राज ठाकरे से गठबंधन को लेकर बात करनी है तो उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को किसी ऊंचे पद के नेता को मनसे प्रमुख के पास भेजना होगा।

अगर उद्धव ठाकर किसी जूनियर नेता को आगे बढ़ाएंगे तो राज ठाकरे भी किसी जूनियर नेता को ही भेजेंगे। मनसे नेता ने कहा कि अगर वाकई गठबंधन होना है तो आदित्य ठाकरे को आगे आकर राज साहेब के विचारों को समझना चाहिए। अगर आदित्य ठाकरे बातचीत के लिए जाते हैं तो दोनों पक्ष गंभीरता को समझेंगे। मालूम हो, पूर्व राज्य मंत्री आदित्य ठाकरे शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के बेटे हैं, दो दिन पहले आदित्य ठाकरे ने कहा था कि अगर कोई महाराष्ट्र के हितों की रक्षा के लिए साथ आना चाहता है तो हम उन्हें भी साथ लेकर चलेंगे।

दोनों भाइयों का साथ आना गलत नहीं- मनसे

वहीं, प्रकाश महाजन ने इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक रूप से अलग हुए ठाकरे भाइयों के एक साथ आने के प्लान में कोई बुराई नहीं है। उन्होंने कहा कि मनसे ने साल 2014 और साल 2017 में यह कोशिश की थी।

ये कहा था उद्धव और राज ठाकरे ने

चचेरे भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बयानों से ये अटकलें तेज हो गई थीं कि दोनों वापस एकसाथ आना चाहते हैं। उनके बयानों से संकेत मिला था कि वे छोटे-मोटे मुद्दों को नजरअंदाज कर सकते हैं और लगभग 20 साल के कटु अलगाव के बाद हाथ मिला सकते हैं। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा था कि मराठी मानुस (मराठी भाषी लोगों) के हित में एकजुट होना मुश्किल नहीं है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह छोटी-मोटी लड़ाइयां पीछे छोड़कर आगे बढ़ने को तैयार हैं, बशर्ते कि महाराष्ट्र के हितों के खिलाफ काम करने वालों को तरजीह न दी जाए।

चंद्रशेखर से मिले स्वामी प्रसाद

» बसपा, सपा व भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी में रह चुके पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य एक बार फिर पाला बदल सकते हैं। वह फिलहाल अपनी जनता पार्टी के अध्यक्ष हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक सियासी मुलाकात के बाद हलचल शुरू हो गई है।

जानकारी के अनुसार लखनऊ में पिछले दिनों चंद्रशेखर आज़ाद और स्वामी प्रसाद मौर्य के अहम मुलाकात बीच हुई है। राजधानी में निजी स्थान पर लंबी बातचीत हुई दोनों के बीच सामाजिक न्याय और दलित-पिछड़ा को एकजुट करने के मुद्दे पर चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक, स्वामी मौर्य जल्द आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) में शामिल हो सकते हैं। पार्टी स्वामी मौर्य को यूपी में बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है। अगर स्वामी, आसपा (का) में शामिल होते हैं तो वह बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। वर्ष 2012 में पडरौना विधानसभा सीट से चुनाव जीतने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य बसपा सरकार में मंत्री भी रहे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।